बीमा सिर्फ नुकसान की भरपाई के लिए नहीं, बल्कि यह जिंदगी को बेहतर बनाने का जरिया है

भारत की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस नागरिकों में 'सुरक्षा पहले' की सोच को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है, ताकि लोग बिना डर के अपना उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकें। अपने अभियान ' लाइफ सुरक्षा पक्की, तो कॉन्फिडेंस पक्का ' के तहत एसबीआई लाइफ ने लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर 1090 चौराहे पर एक बहुत बड़ा हेलमेट इंस्टॉलेशन लगाया और सभी प्रमुख ट्रैफिक चौराहों पर हेलमेट भी बांटे। इस पहल के तहत एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री अमित झिंगरन से सवाल-जवाब के कुछ अंश -

प्र. एसबीआई लाइफ और लखनऊ ट्रैफिक पुलिस की इस जन-जागरूकता पहल का उद्देश्य क्या है?

लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के साथ साझेदारी में, इस पहल को लोगों की सोच बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि सुरक्षा को सिर्फ ज़रूरत के वक्त काम आने वाली चीज़ न समझा जाए, बल्कि इसे आत्मविश्वास और सामाजिक प्रगति का जरिया माना जाए। जिस तरह हेलमेट पहनकर एक क्रिकेटर निडर होकर खेलता है। इससे उसे खुलकर खेलने की और समझदारी के साथ जोखिम लेने की आज़ादी मिलती है। उसी तरह, भावनात्मक और शारीरिक सुरक्षा इंसान को एक भरोसा देती है, जो उसके अंदर हिम्मत

अमित झिंगरन, एमडी और सीईओ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस

और आगे बढ़ने की ताकत पैदा करती है। "लाइफ सुरक्षा पक्की तो कॉन्फिडेंस पक्का", यह सिर्फ एक कथन नहीं है बल्कि यह इस बात को बताता है कि जब व्यक्तिगत सुरक्षा निश्चित हो, तो डर की जगह आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और आगे बढ़ने कि राह मिलती है। हमारे कथन का आधार यह भरोसा है कि जब इंसान खुद को सुरक्षित महसूस करता है, तो वह अपनी असली क्षमता को पहचानने और उसे पूरी तरह इस्तेमाल करने में सक्षम होता है। यह पहल सुरक्षा को एक बुनियादी जरुरत के रूप में स्थापित करना चाहती है, ताकि एक ऐसा माहौल बने जहाँ आत्मविश्वास बढ़े, सपने बड़े हों और लोग स्पष्ट सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। क्योंकि जब जीवन कि सुरक्षा पक्की होती है, तो सपने देखने, कोशिश करने और आगे बढ़ने का हौंसला भी पक्का हो जाता है।

प्र. यह पहल एसबीआई लाइफ के ब्रांड वैल्यू और विज़न से कैसे जुड़ी है?

एसबीआई लाइफ ₹अपने लिए, अपनों के लिए₹, के विचार से प्रेरित हैं, यानी सुरक्षा सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्यार की अभिव्यक्ति भी है। चाहे वह बीमा हो या हेलमेट हो, हमारा उद्देश्य इनके माध्यम से लोगों को सक्षम बनाना है, न कि उन्हें रोकना। वित्तीय सुरक्षा (बीमा) और भौतिक सुरक्षा (हेलमेट) को साथ लाकर, हम अपने ब्रांड के वास्तविक उद्देश्य को आम जिंदगी से जोड़ रहे हैं।

प्र. एसबीआई लाइफ फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स में बने रहने के बजाय रोड सेफ्टी जैसे विषय से क्यों जुड़ना चाहता है?

एसबीआई लाइफ में, हम मानते हैं कि बीमा सिर्फ नुकसान की भरपाई के लिए नहीं है, बल्कि यह जिंदगी को बेहतर बनाने का जरिया है। लखनऊ जैसे ज्यादा जोखिम वाले क्षेत्रों में रोड सेफ्टी बहुत ज़रूरी है, और यही मौका है हमारे ₹हर तरह की सुरक्षा₹ वाले मकसद को ज़मीन पर उतारने का।हम केवल जीवन बीमा कंपनी नहीं बनना चाहते, बल्कि हम "लाइफ एनाबलर" बनना चाहते हैं। हेलमेट का वितरण एक प्रतीकात्मक काम है, लेकिन इसका संदेश हमारे बीमा उत्पादों से मेल खाता है;आज की सुरक्षा, कल का आत्मविश्वास।

प्र. इस आयोजन के अलावा, इस जागरूकता अभियान को जारी रखने के लिए एसबीआई लाइफ की क्या योजना है ?

हमारा दीर्घकालिक उद्देश्य सिर्फ पॉलिसी बेचने तक सीमित नहीं है। हम लोगों और उनके परिवारों को आत्मविश्वास और उद्देश्य के साथ जीने की ताकत देने वाले भरोसेमंद साथी बनना चाहते हैं, जो उनके सपनों को साकार करने में मदद करे। ऐसी साझेदारियाँ बीमा को ज़्यादा सुलभ, भरोसेमंद और भावनात्मक रूप से जुड़ाव वाला बनाती हैं, खासकर जब इसे क्रिकेट जैसे मंच के साथ लाया जाता है, जो करोड़ों लोगों को एक साथ जोड़ता है।

प्र. इस पहल के ज़रिए आप युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं?

हमारा संदेश "लाइफ सुरक्षा पक्की तो कॉन्फिडेंस पक्का" इस सोच को बहुत खूबसूरती से पेश करता है:जब सुरक्षा पक्की होती है,चाहे वो हेलमेट के ज़रिए हो या बीमा के, तो इंसान भावनात्मक रूप से आज़ाद महसूस करता है। तब वो बिना डर के जोखिम ले सकता है, नए मौके तलाश सकता है और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा कर सकता है। भौतिक सुरक्षा (हेलमेट के माध्यम से) और वित्तीय सुरक्षा (जीवन बीमा के माध्यम से) दोनों को बढ़ावा देकर, हम यह संदेश देना चाहते हैं कि सुरक्षा को मजबूरी नहीं, बल्कि एक शुरुआत की तरह देखा जाए। हम जिस सोच को बढ़ावा दे रहे हैं, वह एक मानसिकता में बदलाव है; बीमा को सिर्फ एक बैकअप प्लान मानने के बजाय, इसे जीवन की हर यात्रा की शुरुआत में आत्मविश्वास देने वाला एक अहम कदम माना जाए।